

**M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)**

**Term-End Examination**

**December, 2015**

**MESE-059 : TEACHER EDUCATION IN INDIA :  
GROWTH AND DEVELOPMENT**

*Time : 3 hours*

*Maximum Weightage : 70%*

- 
- Note :** (i) *All the questions are compulsory.*  
(ii) *All the questions carry equal weightage.*
- 

1. Answer the following question in about 600 words :

Distinguish between 'Teacher training' and 'Teacher education'. Explain the general objectives of teacher education at different levels.

**OR**

"The role of Teachers in the 21<sup>st</sup> century is changing constantly and rapidly". How can one prepare teachers to keep pace with this change ? Suggest ways and means to equip the teachers for the same.

2. Answer the following question in about 600 words :

Explain the objectives of Programme of Mass Orientation of School Teachers (PMOST). Critically examine how far its main focus areas have been realized.

**OR**

Critically evaluate ten category system of Flander's Interactional Analysis.

3. Answer any four of the following questions in about 150 words each :

- (a) Describe the recommendations of Hartog Committee. How far these recommendations relevant in today's context ?
- (b) 'Teacher education programmes in India are isolated from each other'. Suggest as to how such isolation can be removed.
- (c) Explain the role of the UGC in teacher education.
- (d) Clarify the role and academic responsibilities of colleges of teacher education.
- (e) Do you agree with the view that teacher education should focus more on practice rather than on theories. Justify your answer.
- (f) Describe the role of teacher educators in maintaining the quality of teacher education programmes.

4. Answer the following question in about 600 words.

From the courses of Teacher Education that you have studied evaluate anyone in terms of the practical utility of its content. Suggest modifications required.

---

एम.एड. ( शिक्षा में स्नातकोत्तर )

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

एम.ई.एस.ई.-059 : भारत में अध्यापक शिक्षा :

संवृद्धि और विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में लिखें :  
'अध्यापक प्रशिक्षण' और 'अध्यापक शिक्षा' में अन्तर स्पष्ट करें। विभिन्न स्तरों पर अध्यापक शिक्षा के सामान्य उद्देश्यों को स्पष्ट करें।

अथवा

“इक्कीसवीं सदी में अध्यापकों के कर्तव्यों व उनकी भूमिका में निरन्तर रूप से तथा तीव्रता से परिवर्तन आ रहा है।” इस परिवर्तन से कदम मिलाते हुए हम अध्यापकों को किस प्रकार तैयार कर सकते हैं? अध्यापकों को सक्षम/समर्थ बनाने के लिए आवश्यक साधनों व तरीकों का सुझाव दें।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दें :  
विद्यालयी अध्यापकों का सामूहिक अभिमुखीकरण (पी मोस्ट) के उद्देश्यों की व्याख्या करें। विवेचित रूप से जांचें कि इसके उद्देश्यों की प्राप्ति किस सीमा तक हो पाई?

अथवा

फ्लैण्डर द्वारा प्रतिपादित अन्योन्यक्रियात्मक विश्लेषण के दस वर्गों का समालोचनात्मक मूल्यांकन करें।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार** का उत्तर दें। प्रत्येक उत्तर लगभग **150** शब्दों में हो :

- (a) हार्टग समिति की अनुशंसाओं का वर्णन करें। आज के संदर्भ में उन अनुशंसाओं का क्या औचित्य है?
- (b) भारत में विभिन्न अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम एक दूसरे से अलग हैं। सुझाव दें कि इस अलगाव को कैसे समाप्त किया जा सकता है?
- (c) अध्यापक शिक्षा में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की भूमिका की व्याख्या करें।
- (d) अध्यापक शिक्षा के कालेजों की भूमिका तथा शैक्षणिक उत्तरदायित्वों को स्पष्ट करें।
- (e) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि अध्यापक शिक्षा का अधिक बल सिद्धांतों की अपेक्षा अभ्यास और व्यवहार पर होना चाहिए। अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध करें।
- (f) एक गुणवत्तायुक्त अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में गुणवत्ता को जारी रखने में अध्यापक-शिक्षकों की भूमिका का वर्णन करें।

4. इस प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दें।

अध्यापक शिक्षा की विभिन्न पाठ्यचर्याओं में से जिनका अध्ययन आप ने किया है, किसी एक विषय की पाठ्यचर्या का मूल्यांकन उसकी व्यावहारिक उपयोगिता तथा इसकी विषयवस्तु के संदर्भ में करें। सुझाव दें कि इसमें किन-किन सुधारों की आवश्यकता है।